वाल्मिकी ने आदर्श राज्य की परिकल्पना की थी : कुलपति

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

▸▸ महर्षि की जयंती पर पुनर्वास विवि में व्याख्यान का हुआ आयोजन

अमृत विचार: महर्षि वाल्मीकि जयन्ती पर डॉ. शकुन्तला मिश्रा राष्ट्रीय पुनर्वास विश्वविद्यालय में वाल्मीकि रामायण में मानवीय मूल्य विषय पर व्याख्यान का आयोजन किया गया। कुलपति आचार्य संजय सिंह ने कहा कि वाल्मीकि ने एक ऐसे आदर्श राज्य की परिकल्पना की थी, जहां प्रजा की सुरक्षा और खुशहाली हो, जहां धर्म और अर्थ, दोनों की अभिवृद्धि हो। उन्होंने संस्कृत में कहा कि न चाति प्रतिकूलेन नाविनीतेन राक्षस अर्थात जनता के प्रतिकूल चलने वाले राजा से राज्य की रक्षा नहीं हो सकती। मुख्य अतिथि प्रो. राम सुमेर यादव ने कहा कि व्यवस्था कैसी भी हो, पर जनता का हित सर्वप्रमुख है। जहां जनता का हित उपेक्षित है, वहां जनता द्वारा व्यवस्था भी उपेक्षित हो जाती है। अधिष्ठाता शैक्षणिक प्रो. वीके सिंह ने अपने विचार व्यक्त किया। कार्यक्रम में स्वागत उद्बोधन डॉ. पुष्पेंद्र सिंह, धन्यवाद ज्ञापन स्थायी समिति की संयोजिका डॉ. आद्या शक्ति राय व संचालन डॉ. विजेता दुआ ने किया गया।

श्र

अमृ
रामल
नेपाल
शुभा
और
गया।
का अ
टंडन
ओम
वाचन
बोले-
पाखण
उन्हों
उपदेश

दिव्यांगता जागरूकता एवं परीक्षण कार्यक्रम

छात्रों को दिव्यांगता से बचने की दी जानकारी

लखनऊ (एसएनबी)। अन्तर्राष्ट्रीय प्रोस्थेटिक्स एवं आर्थोटिक्स माह के उपलक्ष्य में डा. शकुन्तला मिश्रा राष्ट्रीय पुनर्वास विवि के कृत्रिम अंग एवं पुनर्वास केन्द्र ने संयुक्त रूप से गुरुवार को फतेहगंज मोहान रोड स्थित सुंदर लाल कमला इंटर कालेज में दिव्यांगता जागरुकता एवं परीक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य समाज के सभी वर्गो को शारीरिक दिव्यांगता तथा उससे होने वाली समस्याओं से अवगत कराना है जिससे समाज को जागरूक कर समय से उपचार से दिव्यांगता दर में कमी लायी जा सके।

कार्यक्रम का शुभारम्भ पैरामेडिकल एवं पुनर्वास संकाय के सहायक आचार्य गार्गी खरे, स्थिर विसवाल एवं डिमान्सट्रेटर अनुप्रिया त्रिपाठी की मौजूदगी में विद्यालय के प्रबंधक को पुष्प गुच्छ भेटकर की गयी। इस मौके पर अनुप्रिया त्रिपाठी ने दिव्यांगता के प्रारम्भिक लक्षणों और कृत्रिम अंग एवं प्रत्यंग की महत्ता पर एक व्यापक प्रस्तुति दी। इस दौरान विद्यार्थियों को कृत्रिम अंगो के उपयोग, आर्थोटिक्स की भूमिका और विभिन्न प्रकार के पुनर्वास तकनीको के बारे में जानकारी दी गयी। कार्यक्रम में कृत्रिम अंग एवं पुनर्वास केन्द्र की टीम ने दिव्यांगता के प्रारम्भिक लक्षणो की पहचान के लिए विद्यार्थियों के पैरो और रींढ की हडडी का परीक्षण किया। परीक्षण के दौरान 1150 छात्र मौजूद थे। कार्यक्रम का आयोजन कुलसचिव रोहित सिंह, प्रो. वीके सिंह, डा. *रणजीत कुमार*, अनुप्रिया त्रिपाठी प्रमुख रूप से मौजूद थीं।

वाल्मीकि जयंती पर वाल्मीकि रामायण में मानवीय मूल्यों पर व्याख्यान

लखनऊ। महषि वाल्मीकि की जयंती के मौके पर डा. शकुन्तला मिश्रा राष्ट्रीय पुनर्वास विवि में गुरुवार को वाल्मीकि रामायण में मानवीय मूल्य विषय पर एक व्याख्यान का आयोजन किया गया। इस मौके पर मुख्य अतिथि के तौर पर लखनऊ विवि के संस्कृत विभाग के पूर्व विभागाध्यक्ष प्रो. राम सुमेर यादव ने महर्षि वाल्मीकि से जुड़े कई प्रसंगो को साझा करते हुए कहा कि व्यवस्था कैसी भी हो पर जनता का हित सर्व प्रमुख है। जहां जनता का हित उपेक्षित है वहां जनता द्वारा व्यवस्था भी उपेक्षित हो जाती है। राजनीति में एक व्यक्ति का कर्म पूरे राष्ट्र को प्रभावित करता है। विवि के कुलपति आचार्य संजय सिंह ने कहा कि हमे रामायण में बताये मूल्यों को आत्मसात करेने की आवश्यकता है। महर्षि वाल्मीकि के जीवन एवं व्यक्तत्व से हमे प्रेरणा लेते हुए समाज हित में कार्य करना चाहिए। इस मौके पर अधिष्ठाता शैक्षणिक प्रो. वीके सिंह, डा. पुष्पेन्द्र, डा. आद्या शक्ति राय व डा. विजेता दुआ प्रमुख रूप से मौजूद थी।

दिव्यांगता जागरूकता एवं परीक्षण कार्यक्रम का आयोजन

जासं, लखनऊ : अंतरराष्ट्रीय प्रोस्थेटिक्स एवं आर्थोटिक्स माह के उपलक्ष्य में डा. शकुंतला मिश्रा राष्ट्रीय पुनर्वास विश्वविद्यालय के कृत्रिम अंग एवं पुनर्वास केंद्र द्वारा फतेहगंज के सुंदरलाल कमला इंटर कालेज में दिव्यांगता जागरूकता एवं परीक्षण कार्यक्रम का आयोजन हुआ। आयोजन में पैरामेडिकल एवं पुनर्वास संकाय की सहायक आचार्य गार्गी खरे व अनुप्रिया त्रिपाठी के अलावा विश्वविद्यालय के कुलसचिव रोहित सिंह व प्रो. वीके सिंह समेत कई शिक्षक व विद्यार्थी शामिल हुए। सभी ने दिव्यांगता के लक्षण और कृत्रिम अंग निर्माण की विस्तार से जानकारी दी।

अभ्यर्थियों का चयन किया गया है।

पुनर्वास विश्वविद्यालय के छात्रों का कैंपस प्लेसमेंट

अमृत विचार, लखनऊ : डॉ शकुन्तला मिश्रा राष्ट्रीय पुनर्वास विश्वविद्यालय के निदेशक प्लेसमेंट बिराग दीक्षित ने बताया कि एमबीए, एमसीए, एमएससी (आईटी), बीबीए के 6 छात्रों का सत्या माइक्रोकैपिटल लिमिटेड ब्रांच एग्जीक्यूटिव के पद पर चयन किया गया है। इन छात्रों का सालाना पैकेज तीन लाख रुपए है। इन में रेहान अहमद (एमबीए), अंजनेश कुमार तिवारी (एमबीए), नितेश शर्मा (एमएससी-आईटी), रोहन प्रकाश (बीबीए), अमित कुमार गुप्ता (एमसीए), श्याम सुंदर जी पटेल (एमसीए) है। इन छात्रों को कुलपति प्रो. संजय सिंह, कुलसचिव रोहित सिंह और डायरेक्टर प्लेसमेंट बिराग दीक्षित ने बधाई दी है।

आकांक्षा द्विवेदी रही।

स्कूल जाने वाले 3% बच्चों में दिव्यांगता के लक्षण

लखनऊ। शकुंतला विश्वविद्यालय में प्रोस्थेटिक्स एवं ऑर्थोटिक्स माह के तहत कृत्रिम अंग एवं पुनर्वास केंद्र की ओर से फतेहगंज स्थित सुंदरलाल कमला इंटर कॉलेज में दिव्यांगता जागरूकता व परीक्षण हुआ। डिमांस्ट्रेटर अनुप्रिया त्रिपाठी ने बताया कि एक शोध के अनुसार पाया गया है कि विद्यालय जाने वाले दो से तीन प्रतिशत विद्यार्थियों में दिव्यांगता के शुरूआती लक्षण दिखाई देते हैं।

पुनर्वास विवि : छह छात्रों को मिली नौकरी

लखनऊ। डॉ. शकुंतला मिश्रा राष्ट्रीय पुनर्वास विश्वविद्यालय के छह विद्यार्थियों का कैंपस प्लेसमेंट हुआ है। इनमें रेहान अहमद (एमबीए), अंजनेश तिवारी (एमबीए), नितेश शर्मा (एमएससीआईटी), रोहन प्रकाश (बीबीए), अमित गुप्ता (एमसीए) और श्याम सुंदर जी पटेल (एमसीए) के नाम शामिल हैं। विवि के कुलसचिव रोहित सिंह ने बताया कि इन छात्रों का चयन सत्या माइक्रोकैपिटल लिमिटेड, नई दिल्ली में ब्रांच एग्जीक्यूटिव के पद पर तीन लाख रुपये,के वार्षिक पैकेज पर हुआ है। (संवाद)